एक नजर में

जाइडस ने लॉन्च की किफायती हैंडहेल्ड सांस की डिवाइस

इंदौर. एक इनोवेशन-आधारित इंटरनेशनल लाइफ-साइंसेज कंपनी, ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज लिमिटेड ने पेपेअर टीएम लॉन्च किया है. यह भारत का पहला किफायती ऑसिलेटिंग पॉजिटिव एक्सपायरेटरी प्रेशर (ओपीईपी) डिवाइस है, जिसमें 3-रेज़िस्टेंस सिस्टम दिया गया है. यह डिवाइस सीओपीडी, अस्थमा और ब्रोन्किइक्टेसिस से पीड़ित मरीजों में छाती की जकड़न कम करने, बलगम साफ करने और सांस लेने में सुधार करने में मदद करता है. लॉन्च पर ज़ाइडस लाइफ़साइंसेज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर शर्विल पटेल ने कहा ज़ाइडस में पेशेंट-सेंट्रिक इनोवेशन का मतलब है स्वास्थ्य सेवाओं को इस तरह आगे बढ़ाना, जिससे रोज़मर्रा की देखभाल मरीजों के लिए अधिक सुलभ हो सके. पेपेअरटीएम के साथ, जो भारत का पहला किफायती ओपीईपी डिवाइस है, हम एक ड्रग-फ्री, हैंडहेल्ड समाधान पेश कर रहे हैं.

न्युवोको जीरो एम ट्रिपल शील्ड पुट्टी लॉन्च

इंदौर. न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, भारत की भरोसेमंद बिल्डिंग मटीरियल कंपनी और कैपेसिटी के मामले में पांचवीं सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी, ने न्युवोको ज़ीरो एम ट्रिपल शील्ड पुट्टी लॉन्च की है. यह एक प्रीमियम व्हाइट सीमेंट-बेस्ड वॉल केयर सॉल्यूशन है जिसे एक ही सॉल्यूशन में एंटी-माइक्रोबियल, वॉटरप्रूफिंग और एंटी-एफ्लोरेसेंस परफॉर्मेंस के तीन बेहतरीन फायदे देने के लिए डिजाइन किया गया है. चिराग शाह, हेड-मार्केटिंग, इनोवेशन और सेल्स एक्सीलेंस, न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने जोर देकर कहा कि न्युवोको में, हम लगातार ऐसे इनोवेटिव और सस्टेनेबल सॉल्यूशन देने के लिए समर्पित हैं जो घर की देखभाल को बेहतर बनाते हैं और रोजमर्रा की ज़िंदगी को बेहतर बनाते हैं. न्युवोको ज़ीरो एम ट्रिपल शील्ड पुट्टी के साथ, हम एक एडवांस्ड थ्री-लेयर प्रोटेक्शन सिस्टम ला रहे हैं जो दीवारों को लंबे समय तक चलने वाला, हेल्दी और बेहतर सुरक्षा देता है.

गोपाल स्नैक्स की अनोखी कन्या विवाह बोनस योजना

इंदौर. गोपाल स्नैक्स लिमिटेडअपनी अविवाहित महिला कर्माचारियों को उनकी शादी के मौके पर एक स्पेशल करियावर (कन्या विवाह) बोनस देती है. यह वित्तीय उपहार, महिलाओं को ध्यान में रखकर बनाई गई वर्कस्पेस पॉलिसी का एक बेहतरीन उदाहरण है. इस योजना के तहत, कंपनी कर्मचारी कल्याण पहल को प्रोत्साहन दे रही है. वर्ष 2016 में शुरू की गई यह पहल, अविवाहित महिला कर्मचारियों को उनकी शादी के समय वित्तीय सहाय देती है. गोपाल स्नैक्स के ष्टश्वह्र राज हदवानी ने कहा कि कन्या विवाह बोनस, हमारी महिला कर्मचारियों के समर्पण और सेवा के लिए उनका आभार जताने का हमारा तरीका है. शादी ज़िंदगी का एक खास अवसर होता है और हमारा मानना है कि, जब वे ज़िंदगी में एक नया सफ़र शुरु कर रही हैं, तो उन्हें भावनात्मक और वित्तीय सहाय करना हमारा फ़र्ज़ है.

इंदौर को चाहिए सटीक और व्यक्तिगत प्रजनन देखभाल

इंदौर. चिकित्सकों के अनुसार, हाल के वर्षों में इंदौर में ऐसी महिलाओं की संख्या बढ़ रही है जिनमें अंडाणुओं का भंडार कम पाया जा रहा है. इसके साथ ही पुरुष से जुड़ी समस्याएं और अस्पष्ट अथवा नलिका से संबंधित इंफर्टिलिटी के मामले भी सामने आ रहे हैं. बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, इंदौर की वरिष्ठ फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. पायल जयसवाल ने कहा इंदौर में हम लगातार ऐसी महिलाओं को देख रहे हैं जिनमें अंडाणुओं का भंडार कम है. इसके साथ ही पुरुष पक्ष से जुड़ी समस्याओं के मामले भी उल्लेखनीय संख्या में सामने आ रहे हैं. कई दंपति ऐसे भी होते हैं, जिनकी शुरुआती जांच सामान्य दिखती है, लेकिन गर्भधारण फिर भी कठिन बना रहता है—ऐसे मामलों को अक्सर अस्पष्ट या नलिका से जुड़ी इन्फर्टिलिटी की श्रेणी में रखा जाता है.

कोमेड-के और यूनि-गॉज की प्रवेश परीक्षा 09 मई को

इंदौर. कोमेड-के यू-जी-ई-टी / यूनी-गॉज 2026 एंट्रन्स एग्ज़ामिनेशन शनिवार, 09 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा. यह एकीकृत नेशनल-लेवल टेस्ट पूरे भारत में अंडरग्रेजुएट इंजीनियरिंग एडमिशन के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जिसके माध्यम से कर्नाटक के 150+ इंजीनियरिंग कॉलेजेज़ और देशभर के 30+ रेप्यूटेड प्राइवेट, सेल्फ-फंडेड और डीम्ड यूनिवर्सिटीज़ में प्रवेश मिलता है. यह परीक्षा उन अभ्यर्थियों के लिए है जो बी.ई./बी.टेक प्रोग्राम्स में प्रवेश लेना चाहते हैं. एग्ज़ीक्यूटिव सेक्रेटरी, डॉ. कुमार, ने कहा कोमेड-के में हमारा दृढ़ विश्वास है कि किसी छात्र की मेरिट और एप्टिट्यूड ही उसकी शिक्षा यात्रा के मुख्य मार्गदर्शक होने चाहिए. कोमेड-के यू-जी-ई-टी हमारी फेयरनेस, ट्रांसपेरेंसी और इक्वल अपॉर्च्युनिटी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है.

एआई मोमेंटम को सेमीकंडक्टर मोमेंटम से अलग नहीं किया जा सकता

इंदौर. अशोक चांडक, प्रेसिडेंट व सीईओ – आईईएसए (इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन) ने कहा है कि इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026, एआई, सेमीकंडक्टर रणनीति और विश्वसनीय वैश्विक टेक्नोलॉजी साझेदारियों के मेल में एक महत्वपूर्ण पल है।20 से ज्यादा राज्य प्रमुखों, 60 मंत्रियों, 500 ग्लोबल एआई लीडरों और 3,00,000 से ज्यादा आगंतुकों के साथ, यह समिट भारत को वैश्विक एआई रूपांतर के केन्द्र में मज़बूती से रखता है – खासकर ग्लोबल साउथ में. एआई निवेश में 200 अरब डॉलर से ज्यादा के सर्पोटेड फंड और अनुमान के साथ– मुख्य रूप से बुनियादी ढांचे और आरडीआई स्कीम, आईएसएम 2.0 और इलेक्ट्रॉनिक्स हार्डवेयर नीतियों में – भारत दुनिया के सबसे तेज़ी से बढ़ते एआई ईकोसिस्टम में से एक का निर्माण कर रहा है. एआई मोमेंटम को सेमीकंडक्टर मोमेंटम से अलग नहीं किया जा सकता.

आदित्य बिरला सन लाइफ इंश्योरेंस का अ-निश्चित इंडेक्स

इंदौर. भारत में वित्तीय दबाव, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, कार्य-जीवन संतुलन की चुनौतियों और व्यापक सामाजिक जोखिमों के कारण अनिश्चितता का स्तर ऊंचा बना हुआ है. राष्ट्रीय अ-निश्चित इंडेक्स 79 है, जो यह दर्शाता है कि वित्तीय तैयारी, स्वास्थ्य खर्च, मानसिक संतुलन और दीर्घकालिक स्थिरता को लेकर चिंताएं व्यापक हैं. हालांकि, इंदौर का अ-निश्चित इंडेक्स 74 दर्ज किया गया है, जो राष्ट्रीय और वेस्ट ज़ोन दोनों के औसत से कम है। इसके बावजूद शहर के नागरिक कई विशिष्ट दबावों से जूझ रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता ऑनलाइन वित्तीय लेन-देन की सुरक्षा को लेकर है इंदौर की अधिकांश शीर्ष चिंताएं ऐसे जोखिमों से जुड़ी हैं जो काफी हद तक व्यक्ति के नियंत्रण से बाहर हैं—जैसे डिजिटल धोखाधड़ी, पर्यावरणीय संकट, सुरक्षा से जुड़े मुद्दे और सामाजिक कारक। ये बाहरी दबाव शहर का इंडेक्स अपेक्षाकृत कम होने के बावजूद अनिश्चितता को बढ़ाते हैं।

एलआईसी ने लॉन्च किया डायवर्सिफाइड टेक्नोलॉजी फंड

इंदौर. एलआईसी म्यूचुअल फंड ने एलआईसी एमएफ टेक्नोलॉजी फंड के लॉन्च की घोषणा की है. यह एक थीमैटिक इक्विटी स्कीम है, जिसे भारत के बढ़ते तकनीकी परिदृश्य में व्यापक एक्सपोजर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसका दायरा पारंपरिक आईटी सेवाओं से आगे तक होगा. इसका न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 20 फरवरी को खुलेगा और 6 मार्च को बंद होगा. उसके बाद स्कीम 19 मार्च से निरंतर सब्सक्रिप्शन और रिडेम्पशन के लिए दोबारा खुलेगी. एलआईसी म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.के. झा ने कहा आम बजट 2026-27 ने सेमीकंडक्टर के विकास और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को पुन- पुष्ट किया है. जैसे-जैसे भारत का टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन से एआई अपनाने की ओर बढ़ रहा है, हमें लिस्टेड इक्विटीज में कई वर्षों का संरचनात्मक अवसर दिख रहा है.

जेईई मेन के टॉपर्स का नारायणा इंस्टीट्यूट इंदौर में सम्मान

इंदौर. जेईई मेन 2026 के पहले प्रयास के नतीजों ने इंदौर को एक बार फिर राष्ट्रीय शिक्षा मानचित्र पर मजबूत उपस्थिति दिलाई है।नारायणा कोचिंग सेंटर, इंदौर में टॉपर विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया. संस्थान के विद्यार्थियों ने ऑल इंडिया स्तर पर 5 राज्यों में स्टेट टॉपर बनकर 100 पर्सेंटाइल तक का प्रदर्शन किया।इंदौर सेंटर से संकल्प पाटीदार 99.88 पर्सेंटाइल के साथ अव्वल रहे. नारायणा इंदौर ब्रांच के डायरेक्टर्स मयूर लाहोटी और अक्षय मालवीय ने संयुक्त रूप से कहा कि इस बार इंदौर सेंटर से 6 से अधिक विद्यार्थियों ने 99 पर्सेंटाइल से ऊपर का स्कोर हासिल किया है, जो शहर के लिए गर्व की बात है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड की जागरुकता पहल

इंदौर. मल्टी-एसेट एलोकेशन फंड्स आज के बाजार में रिस्क-ऑनऔर रिस्क-ऑफ के बीच घूमते हुए रोटेशन के दौर में एक जरूरी विकल्प और आवश्यकता बन गए हैं। ये फंड एक ही पोर्टफोलियो में इक्विटी, डेट, और कमोडिटी जैसे गोल्ड या सिल्वर को मिलाकर निवेश करते हैं. पहले मल्टी-एसेट एलोकेशन में निवेश करने का ये कॉन्सेप्ट नया था, और कई निवेशक सोचते थे कि वे खुद अलग-अलग इक्विटी, डेट या गोल्ड में छोटी-छोटी रकम लगा सकते हैं. हां, ये संभव था क्योंकि आज कई निवेश विकल्प उपलब्ध हैं, लेकिन अलग-अलग एसेट क्लास को मैनेज करना—व्यावहारिकता, फीस, टैक्स एफिशिएंसी, लागत, और परफॉर्मेंस ट्रैकिंग—व्यावहारिक रूप से मुश्किल साबित होता था. ये एक सिंगल फंड में इक्विटी, डेट, और अन्य एसेट्स को होल्ड करते हैं।चूंकि ये एसेट क्लास एक साथ एक जैसा व्यवहार नहीं करते—उनकी मूवमेंट्स आपस में जुड़ी नहीं होतीं—इससे स्वाभाविक रूप से विविधीकरण मिलता है। इससे पोर्टफोलियो ज्यादा बैलेंस्ड रहता है और बाजार के भिन्?न चक्रों में सुचारू जोखिम समायोजित अनुभव दे सकता है।

50 करोड़ खर्च करने के बाद भी एमआर 11 सड़क अधूरी क्यों..?

▶ छह माह बीतने पर भी निगम ने नहीं हटाए बाधक

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में मास्टर प्लान के सड़कों के निर्माण में बाधक नहीं हटाए जाने से अधूरी बनी हुई है. अधूरी सड़क का लाभ जनता को नहीं मिल रहा और आईडीए का पैसा भी फंस गया है. साढ़े तीन किलोमीटर लंबी सड़क में 1 किलोमीटर का हिस्सा बाहुबलियों और मंत्री की जिद में अटका हुआ है. 50 करोड़ रुपए खर्च होने के बाद भी सड़क अधूरी है, क्योंकि निगम बाधक नही हटा रहा और बाहुबली रास्ता नहीं दे रहे हैं. वह भी उस स्थिति में जब आईडीए ने हाईकोर्ट में केवीएट लगा रखी है.

बाधक हटाने की कोशिश : झाड़े

आईडीए सीईओ डॉ परीक्षित झाड़े ने कहा कि उक्त सड़क को पूरी करने के लिए बाधक हटाने की कार्रवाई करने के कोशिश कर रहे हैं.

सड़क में 237 बाधक है बस्ती के-एमआर 11 सड़क में एबी रोड से नाले तक 25 और पीपलियाकुमार की बस्ती के 212 कच्चे पक्के निर्माण बाधक है. उक्त बस्ती को आईडीए ने नगर निगम से कई बार पत्र लिखकर हटाने की कारवाई का कहा है, लेकिन निगम द्वारा बस्ती को हटाने की कारवाई अभी तक नहीं की गई है.

आईडीए द्वारा एबी रोड से बायपास तक साढ़े तीन किलोमीटर मास्टर प्लान की एमआर-11 सड़क बनाई जा रही है. उक्त मास्टर प्लान की सड़क बस्ती के कारण उलझी हुई है. सिर्फ 800 मीटर बस्ती का टुकड़ा नहीं बन पा रहा है. सड़क का बाकी हिस्सा दोनों तरफ से बन गया है। बीच में 237 मकानों की बस्ती है, जिसको हटाने के लिए आईडीए द्वारा नगर निगम को कई बार पत्र लिखे गए हैं. उक्त बस्ती को नहीं हटाने के कारण मास्टर प्लान की उक्त सड़क अधूरी पड़ी है. मास्टर प्लान की यह सड़क 60 मीटर यानी 200 फीट चौड़ी है और इसका करीब 2.5 किलोमीटर से ज्यादा हिस्सा बन चुका है. उक्त सड़क की निर्माण लागत 73 करोड़ रुपए है. इसका ठेका हाइवे इंफ्रास्ट्रक्चर को दिया गया है. 50 करोड़ रुपए का काम हो चुका है. उक्त सड़क पर यातायात शुरू होने से देवास नाका के ट्रांसपोर्ट व्यापारियों को राहत मिलेगी. आईडीए द्वारा एबी रोड से बायपास जाने आने के लिए नई सड़क मिलने से भारी वाहन का दबाव शहर में कम हो जाएगा.

केवीएट लगाने के बावजूद सड़क निर्माण के बड़े बाधक बाहुबली और मंत्री

आईडीए की एमआर-11 सड़क निर्माण पूरा होने में सिर्फ बस्ती ही नहीं, कुछ कॉलोनाइजर भी है. सूत्रों के अनुसार एक बाहुबली कॉलोनाइजर ने आईडीए अधिकारियों को चेतावनी दी है कि इधर घुसे तो ठीक नहीं होगा. उन्होंने सड़क का 150 मीटर हिस्सा बनने से रोका हुआ है और पुलिया का भी काम नहीं करने दे रहे है. वहीं एनआरके कॉलोनी ने आईडीए द्वारा हाईकोर्ट में केवीएट दायर करने बावजूद हाईकोर्ट से ही आदेश करा लिया है कि उनकी सुनवाई आईडीए अधिकारी की बजाय टीएनसीए के संचालक द्वारा की जाए. उक्त आदेश आईडीए के केवीएट दायर करने के बाद हुआ है. इसके अलावा एमआर 11 सड़क में बाधक बस्ती के 237 मकान हटाने की करवाई कबीना मंत्री ने यह कह कर रुकवा राखी है कि मेरे 5 सौ वोटर है और मैं चुनाव हार जाऊंगा. आईडीए उक्त बस्ती के लोगों को पीएम (ए) आवास में शिफ्टिंग करने को तैयार है. उक्त समस्याओं और बाहुबलियों के कारण मास्टर प्लान की महत्वपूर्ण एमआर 11 सड़क अधूरी पड़ी है, जिसमें आईडीए का 50 करोड़ रुपए खर्च हो गया और जनता को लाभ नहीं मिल रहा है.

मध्यप्रदेश वित्त निगम के शिविर में 20 कर्जदाता ही पहुंचे!

नव भारत न्यूज

इंदौर. मध्य प्रदेश वित्त निगम ने कर्ज का पैसा वसूलने के लिए दो दिवसीय शिविर आयोजित किया था. उक्त शिविर में 20 कर्जदार निगम की वसूली योजना में शामिल होने पहुंचे. खास बात यह है कि उक्त शिविर में 10 कर्जदाता में समायोजन करने के लिए रुचि ली है.

एमपीएफसी का करोड़ों रुपया बकाया है, जिसको वसूलने के लिए प्रदेश के भोपाल, इंदौर और जबलपुर में ऋण वसूली शिविर लगाए गए थे. यह शिविर 17 और 18 फरवरी को लगाए गए. शिविर में कर्जदाताओं को एक योजना बनाकर भुगतान हेतु प्रेरित किया जा रहा है. वित्त निगम द्वारा के सूत्रों ने बताया कि इंदौर के दो सेक्टरों में करीब 160 कर्जदाता है, जिन पर करोड़ों रुपए एमपीएफसी के बकाया है. एमपीएफसी ने शिविर लगाकर कर्जदाताओं के साथ समायोजन की योजना बनाई है, जिसमें कर्जदाता को ब्याज और मूल राशि मिलाकर कुछ छूट प्रदान की गई है. योजना में करीब 20 कर्जदाता वित निगम के शिविर में अपने ऋण का योजना में सेटलमेंट करने पहुंचे. वित निगम के सूत्रों ने बताया कि इनमें ज्यादातर छोटे उद्योग वाले कर्ज दाता है, जो कोविड के बाद परेशानी में आ गए. ऐसे लोन लेने वाले कर्जदाताओं के लिए सरकार ने शिविर लगाकर राहत प्रदान कर राशि वसूली की कार्रवाई शुरू की है.

मेट्रो सुपर कॉरिडोर से आगे उप सीएमआरएस दल द्वारा निरीक्षण

▶ आज दूसरे दिन स्टेशन निर्माण और तकनीकी कार्य की जांच

नव भारत न्यूज

इंदौर. मेट्रो रेल को मालवीय नगर चौराहे तक संचालित करने के लिए सहायक सीएमआरएस का दल तकनीकी और सिविल दोनों सेक्टर का निरीक्षण कर रहा है. उक्त सीएमआरएस का दल अगले दो दिन भी यही कार्य करेगा. इसके बाद दिल्ली जाकर रिपोर्ट देगा. रिपोर्ट देखने के बाद चीफ कमिश्नर मेट्रो रेल इंदौर आएंगे.

मेट्रो रेल का प्राथमिक कॉरिडोर गांधी नगर से मालवीय नगर चौराहे तक है. पहले चरण में मेट्रो गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर 3 तक चल रही है, जो 6 किलोमीटर का ट्रेक है. दूसरे चरण का 11.5 किलोमीटर लंबा ट्रेक, जो एमआर 10 सड़क को कवर करते हुए पूर्वी रिंग रोड के मालवीय नगर तक पूरा हो चुका है. स्थानीय मेट्रो ने सभी 11 स्टेशन और अन्य कार्य पूरा कर दिया है. उक्त नए 11.5 किलोमीटर पर व्यवसायिक रन शुरू करने के अनुमति मांगी है. दिल्ली से उप सीएमआरएस का दल सुपर कॉरिडोर के 03 स्टेशन से मालवीय नगर चौराहे तक निरीक्षण और जांच रिपोर्ट तैयार करने आया हुआ है. उप सीएमआरएस दल द्वारा आज तकनीकी और सिविल दोनों कार्यों का निरीक्षण किया गया. सिविल में मेट्रो ट्रेक, एलिवेटेड कॉरिडोर और स्टेशन निर्माण कार्य की जांच की गई. वहीं तकनीकी कार्य में ऑटोमेटिक इंट्री एग्जिट, इलेक्ट्रिक कार्य, कंप्यूटर ऑपरेटिंग, एस्केलेटर, लिफ्ट सहित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण कर जांच की जा रही है.

दो दिन यहीं रहेगा दल

दिल्ली से आया दल अगले दो दिन यही रहेगा. इसके बाद मुख्य मेट्रो रेल कमिश्नर इंदौर आएंगे. चीफ मेट्रो रेल कमिश्नर द्वारा निरीक्षण के बाद पूरे 17 किलोमीटर ट्रेक पर मेट्रो के व्यवसायिक संचालन की अनुमति जारी होगी. बताया जा रहा है कि सीएमआरएस माह के अंत या मार्च के पहले हफ्ते में निरीक्षण करने आ सकते है.

गौ प्रजातियों के संरक्षण पर दिया मार्गदर्शन

▶ अंतरराष्ट्रीय गौ संरक्षण दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

इंदौर. अंतरराष्ट्रीय गौ संरक्षण दिवस पर प्रतिभा फाउंडेशन द्वारा एक प्रेरणादायी संगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में समाज के युवा, मातृशक्ति, विद्यार्थी, इंदौर के इन्फ्लुएंसर्स एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की.

संगोष्ठी का विषय गौ संरक्षण, गौ सेवा सम्मान एवं गौ रक्षा रहा. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता माननीय संघचालक प्रकाश शास्त्री थे. उन्होंने मंडलेश्वर की गौशाला के आदर्श मॉडल को प्रस्तुत करते हुए नियमित रूप से गौ सेवा कैसे की जाए, इस विषय में विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया. विशिष्ट अतिथि हुकुमचंद सांवला ने विलुप्त होती गौ प्रजातियों के संरक्षण तथा देशी नस्लों के संवर्धन पर अपने विचार रखे. भोपाल से आए वरिष्ठ समाजसेवी एवं आयुर्वेदाचार्य वैद्य डॉ. प्रदीप त्रिपाठी ने गौमूत्र एवं गोदुग्ध के धार्मिक, आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्यवर्धक महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से इनके नियमित उपयोग का आह्वान किया. गुरुजी ठंडाई वाले राधेश्याम शर्मा ने प्रत्येक घर में गौ पालन की भावना विकसित करने की अपेक्षा व्यक्त की. संचालन भजन धाकड़ एवं डॉ. संध्या द्वारा किया गया. संस्था के अध्यक्ष सुप्रभात चौकसे ने आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर 150 से अधिक युवा, मातृशक्ति, विभिन्न एनजीओ प्रतिनिधि, इन्फ्लुएंसर्स, सेवा भारती सहित अन्य संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे. साथ ही जिन गौ सेवकों के घरों में 15 से अधिक गौ माताएँ हैं, उनका मंच से विशेष सम्मान किया गया.

मुख्य अभियंता ने किया नवगठित बिजली जोन का निरीक्षण

इंदौर। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर शहर में आपूर्ति सुधार, शिकायत निवारण एवं समय पर राजस्व संग्रहण के लिए सघन प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में हाल में प्रारंभ किए गए बिजली कंपनी के शहर के 31वें मांगलिया अर्बन जोन का मुख्य अभियंता श्री आरसी जैन ने निरीक्षण किया। उन्होंने उपभोक्ता सेवाओं, स्मार्ट मीटर से संतुष्टि, राजस्व संग्रहण, शिकायत के समय पर निराकरण इत्यादि विषयों की जोन प्रभारी श्री पीके मिश्रा से जानकारी प्राप्त की। नया जोन 90 प्रतिशत स्मार्ट मीटरीकृत एवं 82 प्रतिशत कैशलेस बिजली बिल भुगतान वाला है। मुख्य अभियंता श्री जैन का स्वागत श्री मिश्रा एवं अन्य कार्मिकों ने किया।

संशोधित नियामक मानकों का पालन उत्पाद की गुणवत्ता के लिए आवश्यक

▶ ओरिएंटल यूनिवर्सिटी में सेमिनार का आयोजन

इंदौर. ओरिएंटल यूनिवर्सिटी के फैकल्टी ऑफ फार्मेसी द्वारा संशोधित शेड्यूल एम विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया. इस सेमिनार का उद्देश्य अद्यतन औषधि निर्माण नियमों एवं अनुपालन आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाना था.

विशेष व्याख्यान ईमोन ड्रग्स के प्लांट हेड अंकित बघेल द्वारा प्रस्तुत किया गया. उन्होंने शेड्यूल एम में हाल ही में किए गए संशोधनों की विस्तृत जानकारी दी तथा गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिस, गुणवत्ता आश्वासन तंत्र, प्रलेखन मानकों एवं अवसंरचनात्मक मानदंडों पर उनके प्रभावों को समझाया. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संशोधित नियामक मानकों का पालन उत्पाद की गुणवत्ता, रोगी सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है. कार्यक्रम का सफल आयोजन कुलाधिपति प्रवीण ठकराल, प्रो-चांसलर प्रो. (डॉ.) ध्रुव घई, प्रो-चांसलर गौरव ठकराल, मुख्य प्रबंध निदेशक प्रो. (डॉ.) गरिमा घई, कुलगुरु प्रो. (डॉ.) अमोल गोरे, उप पंजीयक अजयेंद्र नाथ, डीन फार्मेसी प्रो. (डॉ.) सुधा वेंगुर्लेकर एवं प्राचार्य फार्मेसी प्रो. (डॉ.) सचिन के. जैन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ. सेमिनार में विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही, जिसके पश्चात एक संवादात्मक चर्चा सत्र भी आयोजित किया गया. अंत में औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. यह आयोजन शैक्षणिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध एवं सफल पहल सिद्ध हुआ.

समाधान योजना में इंदौर जिले के 81 हजार लाभान्वित

इंदौर। मप्र शासन ऊर्जा विभाग की तीन माह या अधिक समय के बकाया बिजली बिलों के उचित व छूट देने के संबंध में लागू समाधान योजना से सबसे ज्यादा इंदौर जिले के 81 हजार उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। दूसरे क्रम पर उज्जैन जिले के 67 हजार उपभोक्ता, तीसरे क्रम पर खरगोन जिले के 66 हजार उपभोक्ता, रतलाम जिले के 65 हजार उपभोक्ता, बड़वानी जिले के 51 हजार उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। कंपनी स्तर पर कुल 6.60 लाख उपभोक्ताओं ने समाधान योजना का लाभ लिया हैं। इसमें इंदौर राजस्व संभाग क्षेत्र के 3.55 लाख, उज्जैन संभाग के 3.05 लाख उपभोक्ता शामिल है। इन उपभोक्ताओं को करीब 28 करोड़ रूपए की छूट प्रदान की गई हैं, वहीं बिजली कंपनी को करीब 190 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। फरवरी अंत तक जारी समाधान योजना अंतर्गत 50 से 90 प्रतिशत तक छूट पात्रतानुसार अभी भी प्राप्त की जा सकती है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बकायादार बिजली उपभोक्ताओं से समाधान योजना का लाभ लेने की अपील की है। इसके लिए संबंधित बिजली जोन, वितरण केंद्र या पोर्टल पर संपर्क किया जा सकता है।

खाटू श्याम भक्तों का फाग महोत्सव 22 को

इंदौर. शहर के खाटू श्याम भक्तों द्वारा वृहद फाग महोत्सव की तैयारियां जारी हैं। श्री श्याम मंडल द्वारा एमआर 10 रोड स्थित दिव्य शक्ति पीठ पर 22 फरवरी को श्री श्याम फाग महोत्सव का दिव्य आयोजन होगा जिसमें कोलकाता के प्रख्यात भजन गायक जयशंकर चौधरी बनवारी और उनकी टीम के साथी अपने भजनों की गंगा बहाएँगे. आयोजन में शहर के सभी प्रमुख श्याम भक्त मंडल भागीदार बनेंगे. गिरधर महल के संचालक प्रद्युम्न सिंघल प्रमुख यजमान मनोनीत किए गए हैं.

एक नजर में ▶ अनलॉकिंग यूनियन बजट 2026-27 विषय पर सत्र आयोजित

इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी पर विशेष फोकस से इंदौर को लाभ

इंदौर. देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स द्वारा अनलॉकिंग यूनियन बजट 2026-27 विषय पर एक विचारोत्तेजक एवं जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किया गया. कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों, उद्योग प्रतिनिधियों और विद्यार्थियों ने केंद्रीय बजट की प्रमुख घोषणाओं तथा उनके व्यापक आर्थिक-सामाजिक प्रभावों पर गहन चर्चा की. सत्र का संचालन प्रो. एम. वसीम खान ने प्रभावी ढंग से किया.

मुख्य अतिथियों में सांसद शंकर लालवानी, सेंट्रल जीएसटी के एडिशनल कमिश्नर दिनेश बिसेन, देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के कार्यपरिषद सदस्य डॉ. एके द्विवेदी, पीथमपुर इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतम कोठारी तथा स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के डायरेक्टर प्रो. कन्हैया आहूजा उपस्थित रहे. अपने उद्बोधन में वक्ताओं ने कहा कि यह बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण का स्पष्ट रोडमैप है. 4.4% फिस्कल डेफिसिट का लक्ष्य वित्तीय अनुशासन और संतुलित विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है. इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी पर विशेष फोकस से इंदौर जैसे उभरते औद्योगिक शहरों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा. दिल्ली, हैदराबाद और नागपुर जैसे प्रमुख शहरों से बेहतर रेल एवं लॉजिस्टिक संपर्क व्यापार और उद्योग को नई गति देगा. डॉ. दिनेश बिसेन ने जीएसटी एवं कस्टम ड्यूटी की संरचना, राजस्व सृजन में उनकी भूमिका और आर्थिक स्थिरता में उनके योगदान का विश्लेषण प्रस्तुत किया. गौतम कोठारी ने औद्योगिक माहौल को सुदृढ़ करने तथा विशेष रूप से पीथमपुर जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करने की आवश्यकता रेखांकित की. प्रो. कन्हैया आहूजा ने युवाओं एवं महिलाओं के लिए कौशल विकास, स्टार्टअप प्रोत्साहन और स्वरोजगार योजनाओं को बजट की बड़ी विशेषता बताया. कार्यक्रम का समापन विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक सत्र में हुआ, जहाँ बजट की प्राथमिकताओं, आर्थिक विकास, सुशासन और सामाजिक प्रभावों पर खुली चर्चा की गई.

हेल्थ और वेल्थ का संतुलन आवश्यक

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि आर्थिक प्रगति के लिए हेल्थ और वेल्थ दोनों का संतुलन आवश्यक है. उन्होंने व्यापार और लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ाने के लिए बेहतर कनेक्टिविटी एवं इंफ्रास्ट्रक्चर विकास की योजनाओं का उल्लेख किया. डॉ. ए.के. द्विवेदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रिवेंटिव हेल्थकेयर और वेलनेस की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालते हुए आयुष पद्धतियों- आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी को भारत की सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक धरोहर बताया. उन्होंने एनीमिया, कुपोषण और लाइफस्टाइल बीमारियों जैसी चुनौतियों से निपटने में आयुष की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।